OFFICE OF THE DIRECTOR
CENTRAL SANSKRIT UNIVERSITY
SHREE SADASHIVA CAMPUS, PURI(ODISHA).

Notification No. 532

Date : 11.12.2023

Find Enclosed herewith letter No. CSU/R&P/Sanskrit Vimarsh/Ank-23/2023/1198 dtd: 30.11.2023 received from Prof. R.G. Murali Krishna, Registrar I/C , CSU,New Delhi-58 , is hereby sent to the following for information and necessary action accordingly .

01. All Head of the Schools, CSU,SSC,Puri.
02. All faculty members, CSU, SSC,Puri.
03. Research Scholars Notice Board ,CSU,SSC,Puri.
04. Notice Board / Notice Book / Campus website for wide circulation.

(PROF. ATUL KUMAR NANDA)
DIRECTOR
CENTRAL SANSKRIT UNIVERSITY
SHREE SADASHIVA CAMPUS, PURI (ODISHA)

Dt. 08/12/2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय)
शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीन
56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058

Central Sanskrit University
Established by an Act of Parliament
(Formerly Rashtriya Sanskrit Sansthan, Deemed to be University)
Under Ministry of Education, Govt. of India
56-57, Institutional Area, Janakpuri, New Delhi - 110058

Dt. 30/11/23

CSU/R&P/Sanskrit Vimarsh/Ank-23/2022/1198

सेवा में,
निदेशक
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
श्री सदाशिव परिसर,
पुरी- 752001 (उड़ीसा)
director-puri@csu.co.in

विषय – संस्कृत विमर्श की सदस्यता के सम्बंध में।

महोदय/महोदया,

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा 'संस्कृत विमर्श' अर्द्ध वार्षिक शोध पत्रिका वर्ष 1973 से निरन्तर शोध परक दृष्टि से यूजीसी - केयर लिस्टेड रिसर्च जर्नल **ISSN No. 0975-1769** सहित वर्तमान में प्रकाशित हो रही है। इस पत्रिका में व्याकरण, साहित्य, वेदान्त, सांख्ययोग-दर्शन, धर्मशास्त्र, न्याय, मीमांसा, ज्योतिष भारती ज्ञान परम्परा, भारतीय विज्ञानम्, संस्कृत ज्ञान परम्परा आदि विषय के वैदुष्यपूर्ण संस्कृत, हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में शोधलेख प्रकाशित किए जा रहे है। संस्कृत पत्रिका संस्कृत वाङ्गमय के विभिन्न पहलुओं पर किये जाने वाले अनुसंधान को एक नई दिशा प्रदान करती है। इस पत्रिका ने संस्कृत विद्या एवं अनुसंधान के क्षेत्र में निरन्तर प्रतिष्ठा प्राप्त की है। यह पत्रिका अपनी गुणवत्ता, विषय-वस्तु, भाषा-शैली के कारण संस्कृत जगत में अत्यन्त समादरणीय रही है।

सभी सम्मान्य शिक्षकगणों निदेशक/प्रोफेसर/आचार्य/सहायकाचार्य/प्राचार्य से निवेदन है कि वे शोधपत्रिका की ग्राहक-सदस्यता प्राप्त करने का प्रयास करें एवं सभी शोधछात्र, शिक्षाचार्य, शिक्षाशास्त्री, आचार्य आदि से संबंधित छात्र/छात्राओं को इसके नियमित वाचन एवं ग्राहकत्व स्वीकार करने के लिए प्रेरित करें। साथ ही ग्रन्थालय द्वारा भी सदस्यता प्राप्त कर सकते है तथा अपनी अपनी वेबसाइट पर भी अपलोड कर सकते है। इस पत्र के साथ आपको आवेदन पत्र एवं Google Link https://forms.gle/SMnATBNcvzhqoWo59 ~~आपको~~ प्रेषित किया जा रहा है। किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु **email- res-pub@csu.co.in** पर सम्पर्क करें। साथ ही विस्तृत जानकारी हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट लिंक https://www.sanskrit.nic.in/publication_and_programme.php पर देखा जा सकता है।

यह पत्र सक्षम अधिकारी के निर्देशानुसार निर्गत किया जा रहा है।

धन्यवाद।

S.O
8.12.2023
ch. m. m.p.
8/12/2023

भवदीय,

(प्रो. आर. जी. मुरलीकृष्ण)
कुलसचिव (प्रभारी)